राजधानी में गुंडों का आतंक, थाने के निकट पत्रकार नवलकांत पर जानलेवा हमला

Written by मेरी बिटिया संवाददाता
Saturday, 20 January 2018 20:14

: हुसड़िया चौराहे से भूतनाथ तक असलहे लहराते हुए पत्रकार का पीछा करते रहे सफारी सवार गुण्डे : जेब से निकाल लिया रूपया, और असलहे की बट से किया हमला : सिर पर पांच टांके लगे, रास्ते भर नदारत दिखी पुलिस :

मेरी बिटिया संवाददाता

लखनऊ : योगी-सरकार पर प्रशासन भले ही अपने गाल बजाते हुए कानून-व्यवस्था का डंका बजाता रहे, लेकिन हकीकत यह है कि अकेले राजधानी लखनऊ में भी अराजकताओं और गुण्डागर्दी की वारदातें लगातार उरूज पर चढ़ती जा रही हैं। बीती रात लखनऊ के एक वरिष्ठ पत्रकार नवलकांत सिन्हा पर गुण्डों ने हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। हालत यह है कि गाजीपुर के भूतनाथ के पास रात करीब 11 बजे तक यह गुण्डे नवलकांत की पिटाई कर उन्हें गम्भीर चोटें पहुंचाते रहे, गालियां देते रहे, लेकिन लम्बे समय तक पुलिस मौके पर नदारत ही रही।

इस हादसे में नवल कांत के सिर और आंख पर गहरी चोटों आयी है। आपको बता दें कि नवलकांत सिन्हा की पहचान एक सुशील और हंसमुख व्यक्ति की है। इस हादसे की खबर सुन कर किसी के कानों पर विश्वास ही नहीं आया कि नवल पर इस तरह कोई भी शख्स कोई हमला कर भी सकता है। बहरहाल, इस हादसे में नवल के सिर और माथे तथा आंखों पर गहरी चोटें आयी हैं। डॉक्टरों के अनुसार उनके आंख के पास पांच टांके लगाये गये हैं।

पत्रकारिता से जुड़ी खबरों को देखने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए पत्रकार

नवलकांत सिन्हा ने पुलिस को भेजे इस हादसे पर जो पत्र लिखा है, वह निम्न प्रकार है:- आप को अवगत कराना है कि प्रार्थी रात्रि करीब 10.40 बजे के करीब कार्यालय का काम निपटा कर अपने आवास की ओर जा रहा था, कि हुसड़िया चौराहे के समीप एक सफेद रंग की सफारी कार यूपी 32 डीई 0444 ने मेरी कार के दाहिने तरफ से पिछले हिस्से में सफारी का अगला बम्पर रगड़ खा गया उसमें बैठे लोगों ने गालियां देना शुरू कर दिया तो मैंने अपने गाड़ी शहीद पथ पर बढ़ा दी। वो लोग मेरी कार का पीछा करने लगे। वहां सन्नाटा होने की वजह से मैंने कार नही रोकी।

1 / 2

भूतनाथ के पास वोडाफोन स्टोर के करीब लोगों को देखकर मैंने कार रोकी□ पीछे से उतरे सफारी के लोगों ने मुझे गाली देना शुरू कर दिया□ उल्टा मुझ पर कार रग□ने का आरोप लगाया और पैसे की मांग करने लगे□ इसके बाद इन लोगों ने मेरे पर्स में रखा सात सौ रुपया निकलवा लिया□ फिर और पैसे की मांग की□ मैंने थाने चलने को कहा तो उन्होंने इनकार कर दिया□ बाद में कहा कि चलो कार बनने के बाद पैसे ले लेंगे लेकिन घर दिखा दो□ फिर मेरी गा□ी के पीछे सफारी लगाकर मेरे घर तक पहुंच ग□ और यहां फिर आक्रामक हो ग□□ कहने लगे कि घर से बीस ह□ार रुपये लाकर दो□ मेरे ये कहने पर की घर में पैसे नही है, आक्रामक हो ग□ और असलहे लहराने लगे और मुझे सफारी ने बैठाने की कोशिश करने लगे□ असफल होने पर उनमें से □क ने जान से मारने की नीयत से असलहे की बट से हमला कर दिया□ और फिर तेज गति से भाग ग□□

□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□:-□ □□□□□□□

इस हमले में प्रार्थी के सिर और आँख में गंभीर चोट आने की वजह बदहवासी की हालात में गिर प□ा□ होश में आने के बाद प्रार्थी ने हॉस्पिटल पहुँच कर इलाज कराया प्रार्थी के सर में पांच टाँके लगे हैं□ जिस की वजह रात में यह स्थिति नहीं थी कि थाने पहुँच कर मु□दमा पंजीकृत करा सकूँ□ प्रार्थी की वर्तमान स्थिति में गंभीर है□ इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हु□ हमलावरों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मु□दमा दर्ज कराया जाना नितांत आवश्यक है□ अत□ आप से विनम्र अनुरोध है कि आरोपियों के खिलाफ मु□दमा पंजीकृत करते हु□ आरोपियों (हमलावरों) के विरुद्ध दण्डनीय कार्यवाही करने का कष्ट करें□